

प्रारंभिक परीक्षा

विश्व का पहला व्यक्तिगत जीन थेरेपी उपचार

संदर्भ

अमेरिका में, कार्बामॉयल फॉस्फेट सिंथेटेस 1(CPS1) की कमी से पीड़ित एक बच्चे को दुनिया के पहले व्यक्तिगत CRISPR आधारित जीन संपादन उपचार से ठीक किया गया।

कार्बामॉयल फॉस्फेट सिंथेटेस 1(CPS1) की कमी क्या है?

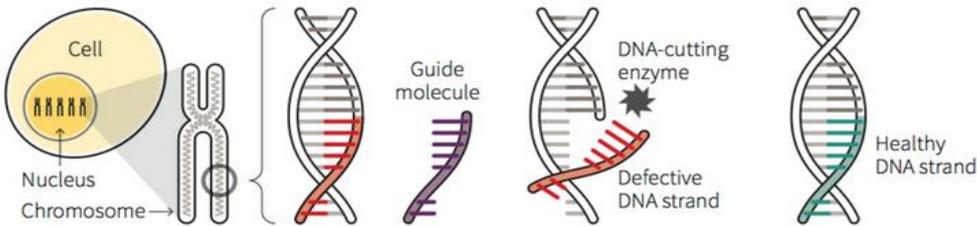
- **CPS1 की कमी एक दुर्लभ आनुवंशिक चयापचय विकार है जो यूरिया चक्र को प्रभावित करता है, यह वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा शरीर रक्त से अतिरिक्त नाइट्रोजन (अमोनिया) को बाहर निकालता है।**
- **कारण:** CPS1 जीन में उत्परिवर्तन, जो यकृत में अमोनिया को तोड़ने के लिए आवश्यक एंजाइम का उत्पादन करता है।
- **प्रभाव:** इस एंजाइम के बिना, रक्तप्रवाह में अमोनिया बनता है, जिससे अमोनिया विषाक्तता होती है, जो मस्तिष्क को नुकसान पहुंचा सकती है और जीवन के लिए खतरा बन सकती है।
- **लक्षण:** खराब खान-पान, उल्टी, सुस्ती, दौरे, कोमा, तथा गंभीर मामलों में मृत्यु - विशेष रूप से तनाव, बीमारी, या अधिक प्रोटीन सेवन के दौरान।
- **घटना:** यह अत्यंत दुर्लभ है, लगभग 1 मिलियन नवजात शिशुओं में से 1 को प्रभावित करता है।

जीन संपादन उपचार(Gene Editing Treatment) क्या है?

- इसमें आनुवंशिक दोषों को ठीक करने, जीन की अभिव्यक्ति के तरीके को संशोधित करने या नई आनुवंशिक सामग्री को शामिल करने के लिए जीव के डीएनए को बदलना शामिल है।
- यह सिकल सेल एनीमिया, सिस्टिक फाइब्रोसिस और कुछ प्रकार के कैंसर जैसी मुश्किल-से-प्रबंधित स्थितियों के इलाज के लिए आशाजनक है।
- यह उत्परिवर्तित जीन को लक्षित करता है और उनके डीएनए अनुक्रम को बदलता है ताकि शरीर सामान्य, कार्यात्मक प्रोटीन का उत्पादन कर सके।
- विशेष रूप से दुर्लभ या वंशानुगत बीमारियों के लिए उपयोग किया जाता है जहां पारंपरिक दवाएं मूल आनुवंशिक कारण को संबोधित नहीं कर सकती हैं।

CRISPR-आधारित जीन संपादन उपचार क्या है?

HOW THE TECHNIQUE WORKS



A cell is transfected with an enzyme complex containing:

- Guide molecule
- Healthy DNA copy
- DNA-cutting enzyme

A specially designed synthetic guide molecule finds the target DNA strand.

An enzyme cuts off the target DNA strand.

The defective DNA strand is replaced with a healthy copy.

Sources: Reuters; Nature; Massachusetts Institute of Technology

- **CRISPR (क्लस्टर्ड रेगुलरली इंटरस्पेस्ड शॉर्ट पैलिंग्ड्रोमिक रिपीट्स) एक क्रांतिकारी जीन-संपादन तकनीक है।**
- **यह आणविक कैंची की तरह कार्य करता है:** आरएनए के एक टुकड़े द्वारा निर्देशित, CRISPR डीएनए में एक विशिष्ट अनुक्रम को लक्ष्य करता है और उसे एक सटीक स्थान पर काटता है।
- **दो प्रमुख घटक:**
 - Cas9, एक एंजाइम है जो विशिष्ट स्थानों पर डीएनए को काटने के लिए 'आणविक कैंची' के रूप में कार्य करता है।
 - गाइड आरएनए (gRNA), Cas9 को एक सटीक जीनोम स्थान पर निर्देशित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
 - जीआरएनए (gRNA) एक मेल खाते डीएनए (DNA) अनुक्रम से जुड़ता है, तथा Cas9 को रणनीतिक कटौती करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करता है।
- इससे वैज्ञानिकों को निम्नलिखित सुविधा मिलती है:
 - दोषपूर्ण जीन को हटाना
 - स्वस्थ जीन डालना
 - या डीएनए कोड में एक भी गलत "अक्षर" (न्यूक्लियोटाइड) को सही करना

के.जे. के मामले में -

- डॉक्टरों ने CPS1 की कमी का कारण बनने वाले सटीक दोषपूर्ण आनुवंशिक कोड की पहचान की।
- उन्होंने एक गलत डीएनए अक्षर(न्यूक्लियोटाइड) को सही करने के लिए CRISPR का उपयोग किया।
- यह अनुकूलित (bespoke) जीन थेरेपी है, जो आनुवंशिक दोष के संभावित आजीवन सुधार की पेशकश करती है।

स्रोत: [Sky News: Baby gets world's first personalised gene therapy treatment](#)



वित्तीय कार्रवाई कार्य बल

संदर्भ

भारतीय अधिकारी ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाए जाने के संबंध में नए साक्ष्यों के बारे में वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (FATF) को सूचित करने की तैयारी कर रहे हैं।

वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (FATF) के बारे में -

- यह एक अंतर-सरकारी निकाय है जिसने धन शोधन (money laundering) और आतंकवाद के वित्तपोषण को रोकने और उससे निपटने के लिए मानक विकसित किए हैं।
- **मुख्यालय:** पेरिस, फ्रांस।
- **पृष्ठभूमि:** इसकी स्थापना 1989 में पेरिस में G-7 शिखर सम्मेलन के दौरान धन शोधन के विरुद्ध नीतियां विकसित करने के लिए की गई थी।
- **उद्देश्य:**
 - धन शोधन और आतंकवाद के वित्तपोषण से निपटने के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर अंतर्राष्ट्रीय मानक स्थापित करना तथा नीतियों का विकास और संवर्धन करना।
- **सदस्य:** 40 (38 देश + 2 संगठन - यूरोपीय संघ और खाड़ी सहयोग परिषद)
 - **प्रमुख देश:** अमेरिका, भारत, चीन, सऊदी अरब, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, .
 - **भारत 2010 में FATF का सदस्य बना।**



FATF लिस्ट -

- **ब्लैक लिस्ट:**
 - इसमें वे देश शामिल हैं जिन्हें धन शोधन और आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए सुरक्षित पनाहगाह माना जाता है।
 - वर्तमान में ईरान, उत्तर कोरिया और म्यांमार FATF की ब्लैक लिस्ट में हैं।
- **ग्रे लिस्ट:**
 - इसमें वे देश शामिल हैं जिनके बारे में माना जाता है कि उनमें धन शोधन निरोधक (AML) और आतंकवाद वित्तपोषण निरोधक (CFT) व्यवस्थाएं कमजोर हैं।
 - यह समावेशन देश के लिए एक चेतावनी है कि वह ब्लैक लिस्ट में जा सकता है।
- **FATF ब्लैकलिस्ट में शामिल होने के प्रभाव:**
 - अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ), विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक (एडीबी) और यूरोपीय संघ (ईयू) द्वारा उन देशों को कोई वित्तीय सहायता नहीं दी जाती है।
 - उन्हें अनेक अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक एवं वित्तीय प्रतिबंधों एवं प्रतिबंधों का भी सामना करना पड़ता है।

स्रोत: [The Hindu: India to apprise FATF of Latest Evidence on terror infrastructure in Pakistan](#)

सॉलिड स्टेट लिथियम-आयन बैटरियों में परेशानी भरा विफलता मोड

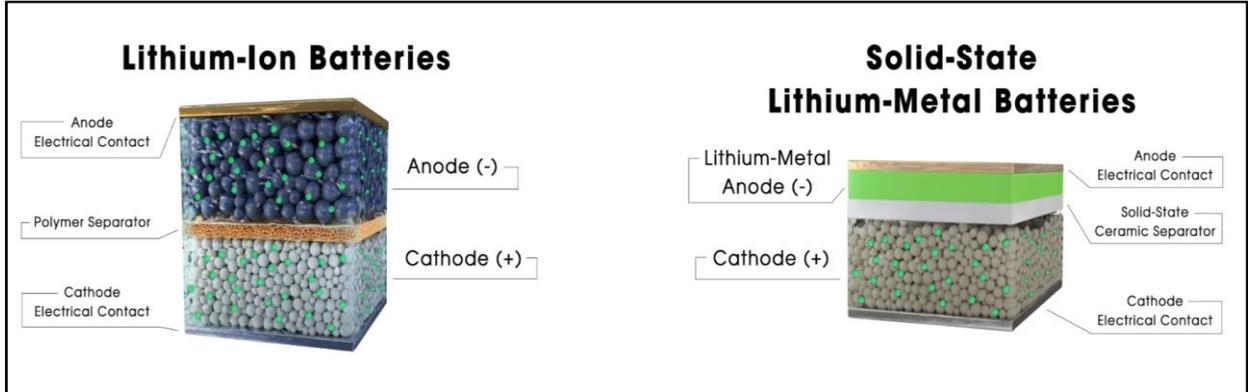
संदर्भ

वैज्ञानिकों ने साइंस मैगजीन में बताया है कि सॉलिड-स्टेट बैटरियों(SSB) की विफलताओं का समाधान, सुस्थापित यांत्रिक सिद्धांतों के प्रयोग पर निर्भर हो सकता है।

सॉलिड-स्टेट बैटरियों (SSB) में कष्टप्रद विफलता -

- यह विफलता एनोड पर लिथियम डेन्ड्राइट्स(Lithium dendrites) के बनने और ठोस इलेक्ट्रोलाइट को छेदने के कारण हुई, जिससे अंततः बैटरी में शॉर्ट-सर्किट हो गया।
- प्रमुख योगदान कारक:
 - बार-बार चार्ज-डिस्चार्ज चक्रों के कारण धातु की थकान और यांत्रिक तनाव।
 - एनोड-इलेक्ट्रोलाइट इंटरफेस पर दरारें और रिक्त स्थान बनते हैं।
 - यहां तक कि कम चार्ज-डिस्चार्ज दरों के कारण संरचनात्मक थकान होती है, जिससे इलेक्ट्रोलाइट टूट जाता है।

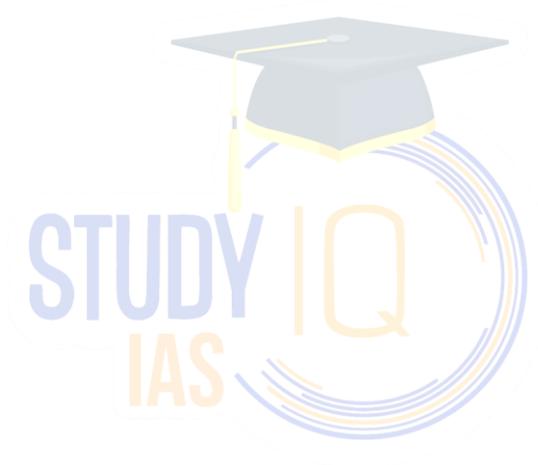
सॉलिड स्टेट बैटरियां क्या हैं?



- सॉलिड-स्टेट बैटरियां अगली पीढ़ी की बैटरियां हैं जो पारंपरिक लिथियम-आयन बैटरियों में पाए जाने वाले तरल या जेल इलेक्ट्रोलाइट के बजाय ठोस इलेक्ट्रोलाइट का उपयोग करती हैं।
- संरचना और कार्य सिद्धांत:
 - अवयव:
 - एनोड: अक्सर लिथियम धातु से बना होता है, जो उच्च ऊर्जा भंडारण की अनुमति देता है।
 - कैथोड: विभिन्न सामग्रियों से निर्मित, लिथियम-आयन बैटरी में प्रयुक्त सामग्रियों के समान (जैसे, लिथियम कोबाल्ट ऑक्साइड, लिथियम निकल कोबाल्ट एल्यूमीनियम ऑक्साइड)।
 - ठोस इलेक्ट्रोलाइट: मुख्य विभेदक, सिलिकेट, कांच, सल्फाइड या ठोस पॉलिमर से बना, एनोड और कैथोड को अलग करता है और केवल आयनों को गुजरने देता है।
 - संचालन:
 - डिस्चार्ज के दौरान, लिथियम आयन ठोस इलेक्ट्रोलाइट के माध्यम से एनोड से कैथोड की ओर चले जाते हैं, जबकि इलेक्ट्रॉन बाह्य सर्किट से होकर प्रवाहित होते हैं, तथा उपकरण को शक्ति प्रदान करते हैं।
 - चार्जिंग के दौरान, प्रक्रिया उलट जाती है: लिथियम आयन कैथोड से एनोड की ओर वापस जाते हैं।
- लाभ:
 - उच्च ऊर्जा घनत्व → इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए लंबी दूरी।
 - तेज़ चार्जिंग → उदाहरणार्थ, 15 मिनट में तेज़ चार्ज करने की क्षमता।

- बेहतर सुरक्षा → रिसाव और तापीय रिसाव का जोखिम समाप्त हो जाता है।
- कॉम्पैक्ट डिज़ाइन → छोटे और हल्के बैटरी पैक को सक्षम बनाता है।

स्रोत: [The Hindu: Cause of pesky failure mode in solid state Li-ion batteries found](#)



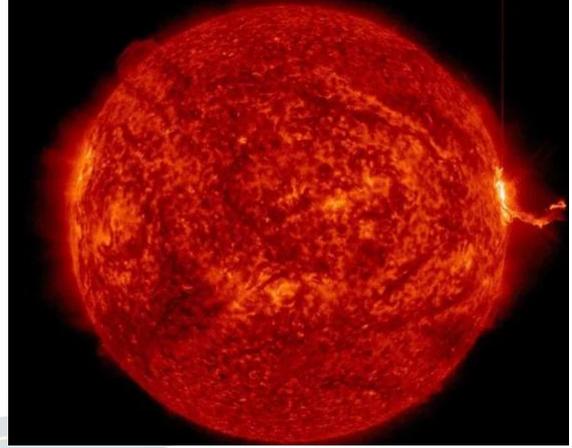
सौर ज्वालाएँ(Solar Flares)

संदर्भ

नासा के उपग्रहों ने एक शक्तिशाली सौर ज्वाला रिकॉर्ड की है।

सौर ज्वालाएं क्या हैं?

- सौर ज्वालाएँ सूर्य से चुंबकीय ऊर्जा के अचानक निकलने के कारण होने वाले विकिरण के तीव्र विस्फोट हैं। ये ज्वालाएँ अंतरिक्ष में तेज़ गति वाले कणों और ऊर्जा का उत्सर्जन करती हैं।
- सौर ज्वालाओं को अक्सर कोरोनल मास इजेक्शन (CME) से जोड़ा जाता है, जो सूर्य के बाहरी वायुमंडल (कोरोना) से प्लाज्मा और चुंबकीय क्षेत्रों का विशाल विस्फोट होता है।
- **वर्गीकरण:** सौर ज्वालाओं को उनकी शक्ति के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है:
 - **A-क्लास:** सबसे कमजोर
 - **B, C, M-क्लास:** मध्यम
 - **X-क्लास:** सबसे मजबूत और सबसे तीव्र
- ज्वालाएं सौर अधिकतम के दौरान अधिक बार होती हैं, जो 11-वर्षीय सौर चक्र का चरम है, जिसके दौरान सूर्य के चुंबकीय ध्रुव उलट जाते हैं।
- सौर ज्वालाएं संपूर्ण विद्युतचुंबकीय स्पेक्ट्रम में ऊर्जा उत्सर्जित करती हैं, जिसमें एक्स-रे, गामा किरणें, पराबैंगनी, दृश्य प्रकाश और रेडियो तरंगें शामिल हैं।
- **सौर ज्वालाओं का प्रभाव -**
 - **भू-चुंबकीय तूफान:** पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र को बाधित कर सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप:
 - रेडियो संचार ब्लैकआउट हो सकता है
 - पावर ग्रिड में गड़बड़ी हो सकती है
 - उन्नत ऑरोरा (उत्तरी और दक्षिणी रोशनी)
 - **उपग्रह की भेद्यता:** उच्च ऊर्जा वाले कण:
 - उपग्रह इलेक्ट्रॉनिक्स को नुकसान
 - जीपीएस और संचार प्रणालियों को बाधित करना
 - **मानव सुरक्षा:** पृथ्वी का वायुमंडल और चुंबकीय क्षेत्र हमें नुकसान से बचाते हैं।
 - अंतरिक्ष यात्रियों और अंतरिक्ष मिशनों को अधिक खतरा है।



स्रोत: [NBC News: Massive solar storm causes communications blackouts](#)

ज्ञान भारतम मिशन

संदर्भ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 9 जून, 2025 को संशोधित ज्ञान भारतम मिशन (पूर्व में राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन) का शुभारंभ करेंगे।

राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन(NMM) के बारे में -

- यह एक राष्ट्रव्यापी पहल है जो भारत की प्राचीन पाण्डुलिपि विरासत के दस्तावेजीकरण, संरक्षण और डिजिटलीकरण पर केंद्रित है।
- प्रारंभ: फरवरी 2003
- मूल संगठन: यह इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA) के अधीन कार्य करता है, जो संस्कृति मंत्रालय का हिस्सा है।
- उद्देश्य: इसका मुख्य लक्ष्य भारत की बौद्धिक विरासत को सुरक्षित रखना तथा पाण्डुलिपियों को शोधकर्ताओं और आम जनता दोनों के लिए आसानी से सुलभ बनाना है।
- प्रमुख विशेषताएँ:
 - ऐसा अनुमान है कि भारत में 80 से अधिक लिपियों और 60 भाषाओं में लिखी गयी 1 करोड़ (10 मिलियन) से अधिक पाण्डुलिपियाँ हैं।
 - 2025 तक, 52 लाख (5.2 मिलियन) पाण्डुलिपियों का मेटाडेटा डिजिटल कर दिया गया है, हालांकि केवल लगभग 1.3 लाख (130,000) ही ऑनलाइन अपलोड किए गए हैं।
 - इनमें से लगभग 80% पाण्डुलिपियाँ निजी संग्रहकर्ताओं के पास हैं, और NMM उन्हें विभिन्न प्रोत्साहनों के माध्यम से अपने संग्रह को साझा करने के लिए प्रोत्साहित करता है।
 - पिछले 21 वर्षों में मिशन ने 9 करोड़ (90 मिलियन) से अधिक फ़ोलियो का संरक्षण किया है।
 - इसमें सार्वभौमिक पहुंच, जन जागरूकता बढ़ाने और गूगल आर्ट्स एंड कल्चर जैसे अंतर्राष्ट्रीय डिजिटल प्लेटफ़ार्मों के साथ सहयोग करने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

पाण्डुलिपि क्या है?

- पाण्डुलिपि ताड़ के पत्ते, कपड़े, धातु, छाल या कागज जैसी सामग्रियों पर हस्तलिखित दस्तावेज़ है, और कम से कम 75 साल पुराना होना चाहिए।
- वैज्ञानिक, ऐतिहासिक या कलात्मक महत्व होना चाहिए।
- मुद्रित पुस्तकें या लिथोग्राफ को पाण्डुलिपि नहीं माना जाता है।
- पाण्डुलिपियाँ कई भाषाओं में और अक्सर अलग-अलग लिपियों में हो सकती हैं (जैसे, संस्कृत देवनागरी, ग्रंथ, उड़िया लिपियों आदि में दिखाई दे सकती है)।
- फ़रमान या राजस्व दस्तावेज़ों जैसे पुरालेखों या प्रशासनिक अभिलेखों से अलग।

स्रोत: [The Hindu: Manuscript Mission to be launched by PM on June 9](#)

SCO शिखर सम्मेलन

संदर्भ

संघ परिवार समर्थित ट्रेड यूनिन **भारतीय मजदूर संघ (BMS)** ने बीजिंग में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के सदस्य देशों के ट्रेड यूनिन नेताओं की पहली बैठक का बहिष्कार किया है।

शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के बारे में -

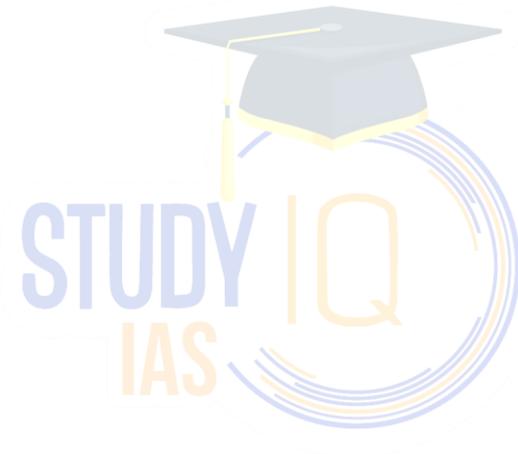


- **गठन: 15 जून, 2001 (शंघाई फाइव ग्रुप का उत्तराधिकारी)**
- **संस्थापक सदस्य:** कजाकिस्तान, चीन, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान
- **SCO देश:**
 - **9 सदस्य देश:** भारत, ईरान, कजाकिस्तान, चीन, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान।
 - **3 पर्यवेक्षक राज्य:** अफगानिस्तान, बेलारूस, मंगोलिया।
 - 2022 में समरकंद **SCO** शिखर सम्मेलन में, संगठन के भीतर बेलारूस गणराज्य की स्थिति को सदस्य राज्य के स्तर तक बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।
 - **14 संवाद साझेदार:** अज़रबैजान, आर्मेनिया, बहरीन, मिस्र, कंबोडिया, कतर, कुवैत, मालदीव, म्यांमार, नेपाल, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, तुर्की, श्रीलंका।
- **मुख्यालय:** बीजिंग, चीन
- **आधिकारिक भाषाएँ:** रूसी, चीनी
- **लक्ष्य:**
 - क्षेत्रीय सुरक्षा और अच्छे पड़ोसी संबंधों को मजबूत करना
 - सदस्यों के बीच आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना
 - सांस्कृतिक और शैक्षिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना
 - एक स्थिर और शांतिपूर्ण क्षेत्र बनाना
- **सिद्धांत:**
 - **आंतरिक रूप से:** "शंघाई भावना" (पारस्परिक विश्वास, लाभ, समानता, परामर्श, विविधता के प्रति सम्मान)
 - **बाह्य रूप से:** गुटनिरपेक्षता, खुलापन
- **निर्णय लेना:**
 - **राष्ट्राध्यक्षों की परिषद (CHS):** वार्षिक बैठक, प्रमुख मुद्दों पर निर्णय करती है
 - **शासनाध्यक्षों की परिषद (CHG):** वार्षिक बैठक, आर्थिक रणनीति निर्धारित करती है
- **अन्य तंत्र:**
 - विभिन्न विषयों (विदेश मामले, रक्षा, संस्कृति, आदि) पर नियमित बैठकें
 - राष्ट्रीय समन्वयक परिषद - समन्वय निकाय।

भारत और SCO -

- SCO सदस्य देशों के साथ भारत के संबंध सदियों पुराने हैं, जो साझा सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत से समृद्ध हैं।
- भारत को 2005 में SCO में पर्यवेक्षक का दर्जा दिया गया तथा 2017 में वह पूर्ण सदस्य बन गया।
- एक सदस्य के रूप में, भारत ने 2020 में शासनाध्यक्षों की परिषद सहित महत्वपूर्ण SCO बैठकों की मेजबानी की है।
- SCO में भारत की भागीदारी क्षेत्रीय व्यापार पहुंच में सहायता करेगी और इसकी वैश्विक स्थिति को बढ़ाएगी, साथ ही क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं का समाधान करेगी और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देगी।

स्रोत: [The Hindu: Sangh Parivar-backed BMS has boycotted the first meeting of SCO](#)

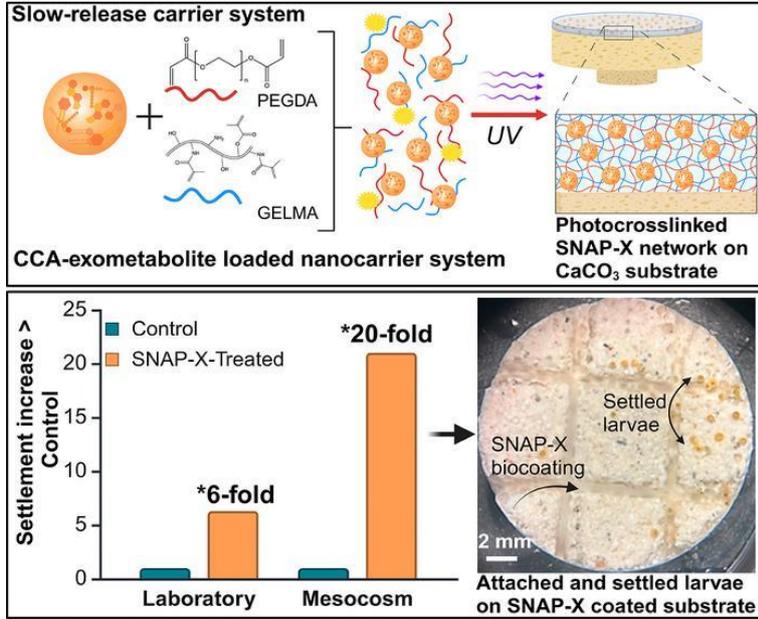


समाचार संक्षेप में

स्नैप-एक्स(SNAP-X)

समाचार? वैज्ञानिकों ने क्षतिग्रस्त चट्टानों पर प्रवाल को बसने और बढ़ने में मदद करने के लिए SNAP-X नामक स्याही बनाई है।

स्नैप-एक्स के बारे में -



- इस जैव-स्याही(bio-ink) को प्रवाल लार्वा के बसने को बढ़ावा देने तथा प्रवाल भित्तियों को बहाल करने में मदद करने के लिए तैयार किया गया है, जो जलवायु परिवर्तन के कारण तेजी से कम हो रही हैं।
- **संरचना:** यह स्याही पारदर्शी है और इसमें क्रस्टोज कोरलीन शैवाल (CCA) से प्राप्त प्राकृतिक मेटाबोलाइट्स शामिल हैं।
 - CCA को रासायनिक संकेत उत्सर्जित करने के लिए जाना जाता है जो प्रवाल लार्वा को आकर्षित करते हैं और उन्हें बसने में मदद करते हैं।

पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा के लिए वैश्विक कार्रवाई हेतु पांच सूत्री आह्वान

समाचार? भारत के पर्यावरण मंत्री ने काठमांडू में **प्रथम सागरमाथा संवाद** में नाजुक पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्रों की रक्षा के लिए 'वैश्विक कार्रवाई के लिए पांच सूत्री आह्वान' की घोषणा की, जिसका विषय था "जलवायु परिवर्तन, पर्वत और मानवता का भविष्य"।

पांच सूत्री एजेंडा -

- **वैज्ञानिक सहयोग को मजबूत करना:** क्रायोस्फीयर, जल विज्ञान और जैव विविधता जैसी प्रमुख पर्वत प्रणालियों के अनुसंधान, डेटा साझाकरण और निगरानी में अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी को बढ़ावा देना।
- **पहाड़ों में जलवायु लचीलेपन को बढ़ावा देना:** प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों में निवेश करना (जैसे, ग्लेशियल झील के फटने से होने वाली बाढ़ - जीएलओएफ) और पहाड़ी इलाकों के अनुरूप जलवायु-लचीले बुनियादी ढांचे का विकास करना।
- **पर्वतीय समुदायों को सशक्त बनाना:** स्थानीय लोगों को जलवायु नीतियों के केन्द्र में रखना।
 - हरित रोजगार, टिकाऊ पर्यटन को बढ़ावा देना और यह सुनिश्चित करना कि समुदाय की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को पूरा किया जाए।

- **जलवायु वित्त तक पहुंच सुनिश्चित करना:** पर्वतीय देशों को अनुकूलन और शमन रणनीतियों को आगे बढ़ाने में सहायता करने के लिए UNFCCC और पेरिस समझौते के अनुरूप पर्याप्त हरित वित्त की सुविधा प्रदान करना।
- **वैश्विक मंचों में पर्वतीय आवाजों को एकीकृत करना:** अंतर्राष्ट्रीय जलवायु वार्ता और सतत विकास एजेंडा में पर्वतों की अद्वितीय कमजोरियों और पारिस्थितिक योगदान को पहचानना।

स्रोत: [PIB: Union Minister Shri Bhupender Yadav outlines a 'Five-point call for Global Action' to Protect Fragile Mountain Ecosystems at the 1st Sagarmatha Sambaad in Kathmandu, Nepal](#)



समाचार में स्थान

न्यू कैलेडोनिया



समाचार? फ्रांसीसी विदेश मंत्री मैनुअल वाल्स के नेतृत्व में राजनीतिक वार्ता संप्रभुता प्रस्तावों पर असहमति के कारण विफल हो गई।

न्यू कैलेडोनिया के बारे में -

- **अवस्थिति:** दक्षिण-पश्चिमी प्रशांत महासागर, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व में।
- **प्रमुख द्वीप:** ग्रान्डे टेरे, लॉयल्टी द्वीप, आइल ऑफ पाइन्स।
- **राजधानी:** नौमिया
- **जातीय समूह:** मुख्यतः कनक।
- **राजनीतिक स्थिति:** यह एक स्वतंत्र देश नहीं है - फ्रांस के भीतर इसे विशेष दर्जा प्राप्त है।
 - **1853** - फ्रांस ने न्यू कैलेडोनिया को दंडात्मक उपनिवेश के रूप में अपने अधीन कर लिया।
 - **1957** - सभी निवासियों को फ्रांसीसी नागरिकता प्रदान की गई।
 - **1998** - **नौमिया समझौते** पर हस्ताक्षर हुए, स्वायत्तता प्रदान की गई और जनमत संग्रह का वादा किया गया।
 - **2018, 2020, 2021** - तीन जनमत संग्रह हुए; सभी ने स्वतंत्रता को अस्वीकार कर दिया, अंतिम जनमत संग्रह का बहिष्कार किया गया।

होदेदाह और अल-सलीफ़



समाचार? इज़रायली सेना ने होदेदाह और अल-सलीफ़ बंदरगाहों पर लक्षित हमला किया।

होदेदाह और अल-सलीफ़ के बारे में -

- **अवस्थिति:** लाल सागर के तट पर पश्चिमी यमन।

